The jhuggi dwellers and the homeless in Metropolitan and other towns can avail themselves of the benefit of the various housing schemes (Low Income Group Housing Scheme; Middle Income Group Housing Scheme, Integrated Subsidised Housing Scheme for Industrial Workers and Economically Weaker Sections of the Community, Slum Clearance Scheme and the Night Shelters built under this scheme, etc.) sponsored by Government of India which are being implemented by the State Governments. Government have no other new scheme under consideration for these persons.

Political Propaganda by Certain Foreign Embassies and Missions in India

4485 SHRI PRABODH CHANDRA : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government are aware that certain foreign embassies and missions in our country are doing political propaganda by issuing advertisements in different papers about the political movements and leaders of the country ,

(b) whether in certain cases, the propaganda against other countries which are very friendly with India, is carried on ; and

(c) if so, what steps Government propose to take to curb such publicity ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : (a) and (b). Foreign Missions in India have generally conformed to the norms laid down by the Government of India in regard to publicity materials issued by them. However, Government are aware that advertisements inserted in Indian newspapers by the Consulate General of the DPRK have, in some cases, contained criticisms of countries friendly to India.

(c) The Ministry of External Affairs has drawn the attention of the DPRK Consulate-General to the impropriety of criticising countries friendly to India. The Consulate-General have assured us that they would abide by established diplomatic practice in such matters.

डाक्टरों और वैद्यों के लिये समान वेतन मान

4486. श्री महादीपक सिंह : क्या स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एम० बी० बी० एस० और आयुर्वेदाचार्य दोनों के लिए पाच वर्ष का निर्धारित पाठ्यक्रम है ;

(ख) क्या चोट के मामलो मे आयुर्वेदिक डाक्टरो को एलोपैथिक डाक्टरो की तुलना मे कम विशेषज्ञता प्राप्त है ;

(ग) क्या उपर्युक्त उल्लिखित दोनो श्रेणियो के डाक्टरो के वेतनमान समान नही है ; और

(घ) यदि हा, तो क्या सरकार का विचार आयुर्वेदिक डाक्टरो को एलोपैथिक डाक्टरो के समान समझने और दोनो श्रेणियो के डाक्टरो के लिये समान वेतनमान लागू करने का है ?

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री डी० पी० चट्टोपाध्याय) : (क) सामान्यता एम० बी० बी० एस० पाठ्यक्रम प्रशिक्षण अवधि 4-1/2 वर्ष है, जिसके बाद एक वर्ष का अनिवार्य रोटेटिग इण्टर्नशिप करना होता है । इस प्रकार कुल अवधि 5-1/2 वर्ष हो जाती है । आयुर्वेदिक पद्धति पाठ्यचर्या तथा पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण की अवधि और प्रवेश का निम्नतम स्तर प्रत्येक राज्य में भिन्न-भिन्न है और कुछेक मामलों मे तो यह एक राज्य के ही अन्तर्गत स्थित सस्थानों मे भी अलग-अलग है । आयुर्वेदिक शिक्षा के पाठ्यक्रम आयुर्वेदिक प्रशिक्षण के भिन्न-भिन्न स्तरो सहित 2 वर्ष, 3 वर्ष, 4-1/2 वर्ष, 5 वर्ष और 5-1/2 वर्ष हैं ।

(ख) आयुर्वेद में लगभग सभी पाठ्यक्रमों में थोड़ा बहुत शल्य क्रिया का ज्ञान भी कराया जाता है ताकि चोटो का इलाज किया जा सके ।

(ग) केन्द्रीय सरकार के अधीन आयुर्वेदिक चिकित्सों को रु० 325-800 का वेतन मान तथा + वेतन का 25 प्रतिशत की दर से नान-प्रैक्टिसिंग भत्ता जो न्यूनतम 150 रुपये तथा अधिकतम 400 रुपये प्रति माह दिया जाता है । जो ऐलोपैथिक डाक्टर केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के ग्रेड-11 में आते हैं वेतन का 33-1/3 प्रतिशत की दर से नान-प्रैक्टिसिंग भत्ता जो कि न्यूनतम 150 रुपये प्रति माह है, देकर उन्हें 350-900 रु० के वेतनमान में रखा जाता है ।

(घ) भारत सरकार के ऐलोपैथिक डाक्टर केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत आते हैं तथा सेवा के लिये भर्त्ती केन्द्रीय सरकार संघशासित क्षेत्रों तथा कुछेक स्वशासी निकायों के लिए की जाती है । कार्य के स्वरूप तथा कुल सेवा शर्तों को देखते हुए उनकी परिलब्धियां निर्धारित की जाती हैं । ऐलोपैथिक तथा आयुर्वेदिक चिकित्सकों की परिलब्धियां तथा दर्जा एक-समान सम्भव नहीं है ।

Indian Medical Students Studying Abroad

4487. SHRI M. KATHAMUTHU : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY PLANNING be pleased to state :

(a) the number of Indian students studying abroad for medicine at the M. B. B. S. level and Post-Graduate level ;

(b) whether even today Post-Graduate degree in Medicine like F.R.C.S., M.R.C.P. and M.D. or U.K. are preferred over corresponoing Post-Graduate degree of India; and

(c) if so, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (SHRI D. P. CHATTOPADHYAYA) : (a) According to the information available as on 1-1-1970, the total number of students/trainees who went abroad for higher studies in medicine was 750. Separate figures in respect of students studying abroad at the M.B.B.S. and Post Graduate levels are not available.

(b) No.

(c) Does not arise.

Evacuee Patients from Bangla Desh suffering from Wounds caused by War Weapons

4488. SHRI S. C. SAMANTA : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY PLANNING be pleased to state :

(a) the number of evacuee patients coming from Bangla Desh and so for admitted into the hospitals in West Bengal including those set up temporarily in the border areas who have been found to be suffering from bullet-wounds or wounds caused by war weapons ;

(b) what number has succumbed to the wounds ; and

(c) what number is still under treatment ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (SHRI A. K. KISKU) : (a) 1,144 (upto 4th July. 1971).

(b) 42.

(c) 141.

कोटा उर्वरक कारखाने में उत्पादन

4489. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या **पट्रोलियम और रसायन** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोटा उर्वरक कारखाने की मासिक उत्पादन क्षमता कितनी है ;

(ख) केन्द्रीय सरकार ने इस कारखाने के लिये कितनी सहायता दी है ; और

(ग) इस कारखाने में उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

पैट्रोलियम और रसायन मन्त्री (श्री पी० सी० सेठी) : (क) कोटा उर्वरक कारखाने